केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में डेयरी फार्मिंग क्षमता विकास प्रशिक्षण पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन समारोह का आयोजन

आज संस्थान में डेयरी फार्मिंग पर क्षमता विकास विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 8 मार्च से राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान तथा केन्द्रीय मृदा लवणता संस्थान में प्रारम्भ हुआ था। इसमें गांव कथुरा जिला सोनीपत के 14 किसानों ने नवीनतम डेयरी तकनीकों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

संस्थान के निदेशक डा0 प्रबोध चन्द्र शर्मा ने अपने सम्बोधन में किसानों को संस्थान मे चल रहे शोध कार्यो की जानकारी दी। यह भारत सरकार का फार्मर फर्स्ट प्ररियोजना है जिसमें किसानों को नवीनतम शोध जानकारी दी जाती है। ज्ञान बढाने के लिये प्रशिक्षण की महत्वपुर्ण भुमिका है। इस प्रशिक्षण का प्रेक्टिेल ज्ञान गावों में जाकर वैज्ञानिक देंगे। किसानों का सहयोग बहुत जरूरी है। आने वाले समय में जो भी समस्या होगी उनका निदान किया जाएगा। लवणीय मृदा व जल की समस्या के निदान के लिये भविष्य में प्रशिक्षण किसानो को दिया जाएगा। इससे किसानो को लाभ होगा। उन्होने किसानों को आहवान किया कि वे जो ज्ञान यहॉ पर प्राप्त करें उसको ज्यादा से ज्यादा किसानों को जानकारी दें।

डा0 सोहन वीर सिंह प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि नवीनतम डेयरी तकनीको से पशु दुध उत्पादन बढाया जा सकता है। किसानो को इन तकनीको को अपनाकर अपना आमदनी बढानी चाहिए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बदलते मौसम में पशुओ की देखभल करने कर जानकारी दी गई है।

डा0 प्रवेन्द्र श्योरण प्रधान वैज्ञानिक ने बताया कि यह फार्मर फर्स्ट परियोजना राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान तथा केन्द्रीय मृदा लवणता संस्थान में कियान्वित की जा रही है। जिसमें किसानो की इस भुमिका की लवणता, क्षारियता एवं पशुओं की समस्याओं का निदान किया जाता है और नवीनतम तकनीको द्वारा उत्पादन बढाया जा सकता है।

इस संदर्भ में गांव कथूरा जिला सोनीपत के 14 किसानों को डेयरी फार्मिंग पर व्यवसायिक प्रगतिशील किसानों को प्राशिक्षण दिया गया है। किसानों के खेतों में सोलर पंपिग सिस्टम भी स्थापित किया जायेगा। जिसमें इस अवसर पर 14 किसानों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये। इस अवसर पर प्रभागाध्यक्ष डा0 अनिल कुमार, डा0 पोन्नु सामी, डा0 सोहन वीर, डा0 नीरज कुलश्रेष्ठ, डा0 डी. एस. बुदेंला, डा0 कैलाश प्रजापत उपस्थित रहे।